प्रिय ई.सी.एल परिवार,

आप सभी को 80वें स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ।

स्वतंत्रता दिवस केवल राष्ट्रीय उत्सव नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, कृतज्ञता और संकल्प का अवसर है। यह वह दिन है जब हम उन असंख्य स्वतंत्रता सेनानियों को श्रद्धापूर्वक नमन करते हैं, जिन्होंने अपने साहस, त्याग और बलिदान से हमें स्वतंत्र भारत का अमूल्य उपहार दिया। उनका जीवन हमें यह प्रेरणा देता है कि राष्ट्र सर्वोपरि है और जब उद्देश्य राष्ट्रहित का हो, तो कोई भी चुनौती बड़ी नहीं होती।

आज, जब भारत ''विकसित भारत–2047'' के लक्ष्य की ओर दृढ़ता से अग्रसर है, तब राष्ट्र निर्माण की इस यात्रा में हम सबकी जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है। एक विकसित राष्ट्र की परिकल्पना तभी साकार हो सकती है, जब उसकी ऊर्जा व्यवस्था सुदृढ़, विश्वसनीय और आत्मनिर्भर हो। इसलिए यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि ऊर्जा सुरक्षा ही आर्थिक सुरक्षा की आधारशिला है।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा को सुदृढ़ बनाने में कोयला उद्योग की भूमिका आज भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। देश में उत्पादित विद्युत का बड़ा हिस्सा आज भी कोयले पर आधारित है। हमारे उद्योग, रेलवे, इस्पात संयंत्र, सीमेंट उद्योग और करोड़ों घरों तक पहुँचने वाली बिजली के पीछे हमारे कोयला परिवार का अथक परिश्रम निहित है।

जब अधिकांश देशवासी अपने परिवारों के साथ त्योहार और राष्ट्रीय पर्व मनाते हैं, तब हमारे कोयला खनिक धरती की गहराइयों में उतरकर राष्ट्र की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने में जुटे रहते हैं। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों, प्रतिकूल मौसम और अनेक चुनौतियों के बीच उनका श्रम केवल उत्पादन का माध्यम नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा का एक अनवरत यज्ञ है।

मैं ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड (ई सी एल) के प्रत्येक कर्मचारी–चाहे वह खदान में कार्यरत श्रमिक हो, अभियंता, अधिकारी, सर्वेयर, चिकित्सक, सुरक्षा कर्मी अथवा किसी भी विभाग का सदस्य–सभी को हृदय से नमन करता हूँ। आप सभी का समर्पण और कर्मनिष्ठा ही ईसीएल को एक सफल कोयला कंपनी होने के साथ–साथ राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा का विश्वसनीय आधार बनाता है।

गत वित्तीय वर्ष 2025–26 में कंपनी ने नए कीर्तिमान स्थापित करते हुए 52 मिलियन टन से अधिक कोयले का उत्पादन किया और साथ ही लक्ष से 122% से अधिक 193 मिलियन क्यूबिक मीटर से अधिक अतिभार (ओवर्बर्डन) हटा कर, चालू वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए एक मजबूत आधारशिला भी रखी.

साथियो, राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने में कोयला उत्पादन जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही महत्वपूर्ण है समयबद्ध एवं निर्बाध कोयला प्रेषण। मुझे प्रसन्नता है कि चालू वित्तीय वर्ष के प्रथम चार महीनों में ईसीएल ने लगभग 18.61 मिलियन टन कोयले का प्रेषण कर पिछले वर्ष की समान अवधि की तुलना में 18 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की है। रेल, सड़क एवं एमजीआर—तीनों माध्यमों से प्रेषण में प्रभावशाली वृद्धि के साथ बिक्री प्राप्ति में भी 32 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। उपभोक्ताओं की सुविधा और Ease of Doing Business को बढ़ावा देने के लिए ई–अनुमोदन पोर्टल तथा ई–बैंक गारंटी जैसी डिजिटल व्यवस्थाओं को लागू किया गया है, जिससे प्रक्रियाएँ अधिक पारदर्शी, त्वरित और पूरी तरह डिजिटल बनी हैं। यह उपलब्धियाँ हमारी ग्राहक–केंद्रित कार्य संस्कृति, बेहतर लॉजिस्टिक प्रबंधन और परिचालन उत्कृष्टता का परिचायक हैं।

साथियों, चालू वित्तीय वर्ष की शुरुआत से ही हमारे विभिन्न क्षेत्रों ने जिस प्रतिबद्धता और कार्यकुशलता का परिचय दिया है, वह आने वाले महीनों के लिए एक मजबूत आधार प्रस्तुत करता है। कंपनी द्वारा कोयला उत्पादन, ओवरबर्डन निष्कासन और डिस्पैच में उत्साहजनक प्रदर्शन जारी है। मैं बांकोला क्षेत्र सहित सतग्राम–श्रीपुर क्षेत्र, सोदपुर क्षेत्र, मुगमा क्षेत्र, पांडवेश्वर क्षेत्र और सोनपुर बाजारी क्षेत्र की सराहना करता हूँ, जिन्होंने चालू वित्तीय वर्ष के शुरुआती चार महीनों में अपने निर्धारित कोयला उत्पादन लक्ष से आगे बढ़कर अभिवृद्धि हेतु एक मजबूत नींव रखी है। मेरा विश्वास है कि यदि यही गति, अनुशासन और टीम भावना पूरे वर्ष बनी रहती है, तो Team ECL अपने निर्धारित लक्ष्यों को बेहतर ढंग से प्राप्त कर सकेगा।

मुझे इस मंच से आप सभी को बताते हुए हर्ष हो रहा है कि आप सभी के सहयोग से इस वर्ष ईसीएल सफलता के एक और अध्याय को लिखने जा रही है।

साथियों, प्रकृति ने ईसीएल को उच्च गुणवत्ता वाले कोयले का समृद्ध भंडार प्रदान किया है। यह हमारे लिए केवल एक प्राकृतिक संपदा नहीं, बल्कि करोड़ों उपभोक्ताओं के विश्वास और देश की ऊर्जा आवश्यकताओं को पूरा करने की एक बड़ी जिम्मेदारी भी है।

मुझे यह कहते हुए गर्व का अनुभव हो रहा है कि पिछले कुछ वर्षों में ईसीएल ने केवल उत्पादन बढ़ाने पर ही नहीं, बल्कि कोयले की गुणवत्ता और ग्रेड अनुरूपता (Grade Conformity) सुनिश्चित करने पर भी विशेष ध्यान दिया है। हमारे लिए प्रत्येक उपभोक्ता तक घोषित गुणवत्ता का कोयला पहुँचाना केवल व्यवसायिक दायित्व नहीं, बल्कि हमारी विश्वसनीयता और उत्तरदायित्व का प्रतीक है। गुणवत्ता के प्रति हमारी प्रतिबद्धता ने उपभोक्ताओं का विश्वास और मजबूत किया है जोकि ईसीएल की प्रतिष्ठा को नई ऊँचाई प्रदान करने की ओर लिया गया एक सुदृढ़ कदम है।

हमारा विश्वास है कि किसी भी संगठन की सबसे बड़ी शक्ति उसके कर्मचारी और सौहार्दपूर्ण औद्योगिक संबंध होते हैं। इसी सोच के साथ ईसीएल ने वर्ष 2025–26 में रिकॉर्ड 3,108 कर्मचारियों को पदोन्नति प्रदान की। पहली बार 387 उच्च शिक्षित कर्मचारियों को उनकी विशेषज्ञता के अनुरूप विभिन्न विभागों में तैनात किया गया, जबकि 79 माइनिंग सरदारों और 157 सुरक्षा गार्डों की आंतरिक नियुक्ति से परिचालन क्षमता और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया। मानव संसाधनों के बेहतर प्रबंधन और कर्मचारी हितैषी पहलों ने संगठन में विश्वास, कार्यकुशलता और सकारात्मक औद्योगिक संबंधों को नई मजबूती प्रदान की है।

ईसीएल के सफल बदलाव की इस यात्रा में लागत नियंत्रण और संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग हमारी रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। हमने मानव संसाधन के बेहतर नियोजन, उपलब्ध प्रतिभाओं के प्रभावी उपयोग और अनावश्यक व्यय में कमी के माध्यम से कार्यकुशलता बढ़ाने की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। आंतरिक चयन के माध्यम से 157 कर्मचारियों को सुरक्षा गार्ड के रूप में नई जिम्मेदारी प्रदान करने की पहल से जहाँ अपने मानव संसाधन का बेहतर उपयोग सुनिश्चित हुआ है, वहीं इससे लगभग Rs 9 करोड़ की बचत भी अपेक्षित है। इसी प्रकार, चिकित्सा सुविधाओं को सुदृढ़ करने के हमारे प्रयासों से रेफरल मामलों में लगभग 14.5 प्रतिशत की कमी आई और चिकित्सा व्यय Rs 106.85 करोड़ से घटकर Rs 72.96 करोड़ रह गया। वाहनों की आवश्यकता के युक्तिसंगत निर्धारण, सरप्लस मैनपावर के बेहतर उपयोग तथा परिसंपत्तियों के प्रभावी प्रबंधन जैसे अनेक उपायों से भी उल्लेखनीय बचत सुनिश्चित हुई है। हमारा प्रयास केवल खर्च कम करना नहीं, बल्कि प्रत्येक संसाधन का अधिकतम और सार्थक उपयोग करते हुए ईसीएल को अधिक सक्षम, प्रतिस्पर्धी और वित्तीय रूप से सुदृढ़ बनाना है।

इस वित्तीय वर्ष हम अपने तय किए गए लक्षों की प्राप्ति हेतु रणनीतिकबद्ध काम कर रहे हैं। सभी क्षेत्र Cost Reduction और अपने कोयले के दाम को उत्तम बनाने में प्रयास कर रहे हैं। पहली तीमाही में सोधपुर एरिया टीम ने इन दोनों पहलुओं पर विशेष प्रदर्शन कर सर्वाधिक Cost Reduction व कोयले के दाम में बढ़ोतरी हासिल की है, जबकि इन पहलुओं पर क्रमशः केंदा एरिया और काजोरा एरिया द्वितीय स्थान पर रहें। मैं उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु सोधपुर, केंदा और काजोरा क्षेत्रों में अपनी टीमस को बधाई देता हूँ।

ऊर्जा दक्षता और तकनीकी आधुनिकीकरण की दिशा में भी ईसीएल लगातार नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। कंपनी के 35 मेगावाट क्षमता के ग्राउंड–माउंटेड सौर ऊर्जा संयंत्र से विद्युत उत्पादन प्रारंभ हो चुका है, वहीं कोल इंडिया का पहला फ्लोटिंग सोलर पावर प्लांट भी ईसीएल में स्थापित किया जा रहा है। 'मेक इन इंडिया' पहल के अंतर्गत आधुनिक कंटीन्यूअस माइनर्स की खरीद के साथ–साथ भूमिगत खनन के लिए बैटरी चालित मटेरियल यूटिलिटी व्हीकल (MUV) तथा फास्ट सेफ्टी व्हीकल (FSV) को शामिल कर ईसीएल ने हरित ऊर्जा, स्वदेशी प्रौद्योगिकी और आधुनिक खनन के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को और सुदृढ़ किया है।

Kasta West Block में भारतीय भू–खनन परिस्थितियों के अनुरूप Underground Coal Gasification (UCG) तकनीक को स्थापित करने की दिशा में हमारी पायलट परियोजना का Phase-II कार्य सफलतापूर्वक प्रगति पर है और परियोजना के 2027 में पूरा होने की उम्मीद है। यह पहल कोयले के वैकल्पिक एवं वैज्ञानिक उपयोग की दिशा में ECL के तकनीकी नवाचार और भविष्य की सोच को दर्शाती है।

साथियों, हर संगठन के इतिहास में कुछ ऐसे क्षण आते हैं, जब चुनौतियाँ उसकी परीक्षा लेती हैं। ईसीएल ने भी ऐसे अनेक दौर देखे हैं। लेकिन हमारी सबसे बड़ी शक्ति यह रही कि हमने चुनौतियों के सामने कभी हार नहीं मानी। हमने समस्याओं को अवसरों में बदलने का साहस दिखाया और सामूहिक प्रयासों से एक नई कार्य संस्कृति विकसित की।

आज ईसीएल जिस आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ रहा है, वह किसी संयोग का परिणाम नहीं है। यह आप सभी के अथक परिश्रम, अनुशासन, नवाचार और टीम भावना का प्रतिफल है। लागत नियंत्रण से लेकर परिचालन दक्षता तक, उत्पादन वृद्धि से लेकर गुणवत्ता सुधार तक, सुरक्षा से लेकर मानव संसाधन विकास तक–हर क्षेत्र में हमने उल्लेखनीय परिवर्तन की दिशा में कदम बढ़ाए हैं। यह परिवर्तन केवल आँकड़ों में दिखाई देने वाली सफलता नहीं है, बल्कि सोच, कार्यशैली और संगठनात्मक संस्कृति में आए सकारात्मक बदलाव का प्रमाण है।

मुझे विशेष संतोष है कि ईसीएल आज एक सफल Turnaround की प्रेरक कहानी बनने की ओर अग्रसर है। यह उपलब्धि किसी एक व्यक्ति या एक विभाग की नहीं, बल्कि पूरे टीम ईसीएल की सामूहिक सफलता बनेगी।

राष्ट्र की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने के साथ–साथ पर्यावरण संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करना भी ईसीएल की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। इसी उद्देश्य से वित्तीय वर्ष 2025–26 में ईसीएल ने 'मिशन ग्रीन' के अंतर्गत 91.71 हेक्टेयर क्षेत्र में लगभग 2.22 लाख पौधों का रोपण किया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 17.5 प्रतिशत अधिक है। ''एक पेड़ माँ के नाम 2.0'' अभियान के तहत 28,700 से अधिक पौधों का रोपण एवं वितरण किया गया। इस अभियान को आगे बढ़ाते हुए 21 जुलाई 2026 को वित्तीय वर्ष 2026–27 के लिए निर्धारित वृहद वृक्षारोपण अभियान के अंतर्गत 25.71 हेक्टेयर क्षेत्र में 53,310 पौधे लगाकर लक्ष्य को सफलतापूर्वक पूरा किया गया। पर्यावरणीय संरक्षण को

और सशक्त बनाने के लिए राजमहल परियोजना में मियावाकी वन विकसित किया गया, दुर्गम ओवरबर्डन ढलानों पर ड्रोन आधारित सीड–बॉल रोपण की शुरुआत की गई तथा सेंट्रल सिल्क बोर्ड के सहयोग से खनन प्रभावित भूमि पर शहतूत आधारित वनीकरण एवं आजीविका सृजन की अभिनव पहल की गई। इसके साथ ही आधुनिक प्रदूषण नियंत्रण प्रणालियों की स्थापना, पर्यावरणीय मानकों का प्रभावी अनुपालन तथा ISO 9001, ISO 14001 एवं ISO 45001 प्रमाणन को बनाए रखते हुए ईसीएल ने यह सिद्ध किया है कि उत्तरदायी एवं सतत् खनन ही भविष्य का मार्ग है। हमारा विश्वास है कि भारत की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति और पर्यावरण संरक्षण साथ–साथ चल सकते हैं, और ईसीएल इसी संतुलित विकास के मार्ग पर दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है

साथियों, जिम्मेदार खनन के साथ–साथ खनन के बाद भूमि के पुनर्वास और उसके बेहतर उपयोग पर भी हमारा ध्यान है। Gopinathpur Mine के लिए किया गया Tripartite Agreement इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। हमारा प्रयास है कि Mine Closure की प्रक्रिया वैज्ञानिक और नियोजित तरीके से हो, ताकि खनन के बाद भूमि और पर्यावरण को सुरक्षित रखा जा सके तथा स्थानीय समुदायों के हितों का भी ध्यान रखा जा सके।

साथियों, हमारी कंपनी ने भूमि अधिग्रहण एवं पुनर्वास प्रक्रिया में पारदर्शिता, दक्षता और सुशासन को बढ़ावा देने की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल की है। राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (NIC) के सहयोग से विकसित वेब–आधारित COALRR प्रणाली को पूरे ईसीएल में लागू किया गया है, जिससे भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन से संबंधित प्रक्रियाएँ अधिक पारदर्शी, त्वरित और डिजिटल बनी हैं। इसके साथ ही, परियोजना प्रभावित परिवारों के शिक्षित युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से वन–टाइम एकमुश्त भुगतान की अभिनव पुनर्वास नीति का सफल क्रियान्वयन किया गया है, जिससे उन्हें उद्यमिता, स्वरोजगार एवं उच्च शिक्षा के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं।

साथियों, ईसीएल की विकास यात्रा का अर्थ केवल अधिक कोयला उत्पादन करना नहीं, बल्कि उन लोगों के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना भी है, जिनके बीच हम काम करते हैं। इसी भावना के साथ ईसीएल समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी के अंतर्गत, झारखंड के गोड्डा में 300–बेड के अत्याधुनिक अस्पताल का निर्माण करा रहा है। यह अस्पताल वर्ष 2027 में पूर्ण होकर राज्य सरकार को सौंपा जाएगा, ताकि क्षेत्र की स्थानीय आबादी को बेहतर और सुलभ स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके। ईसीएल की विकास यात्रा हम तभी सार्थक मानते है, जब उसका लाभ हमारे आसपास के समुदायों और आम नागरिकों तक पहुँचे, ओर इसके लिए हम प्रयासरत हैं।

राष्ट्र निर्माण में ईसीएल का योगदान केवल ऊर्जा सुरक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि राजस्व और वैधानिक अनुपालन के माध्यम से भी हम देश की प्रगति में सहभागी हैं। मुझे यह बताते हुए प्रसन्नता है कि GST की 9वीं वर्षगांठ के अवसर पर CGST एवं Central Excise, Bolpur Commissionerate द्वारा ईसीएल को उत्कृष्ट स्वैच्छिक GST अनुपालन एवं राष्ट्र निर्माण में योगदान के लिए सम्मानित किया गया। वित्तीय वर्ष 2025–26 में ईसीएल ने केंद्र एवं राज्य सरकारों को Rs 5,619 करोड़ के वैधानिक देय का योगदान दिया, जिसमें Rs 1,951 करोड़ GST शामिल है। GST लागू होने के बाद से हमारा कुल GST योगदान लगभग Rs 17,382 करोड़ रहा है। यह उपलब्धि ईसीएल की पारदर्शिता और जिम्मेदार कार्यसंस्कृति का प्रमाण है। मैं इस उल्लेखनीय उपलब्धि के लिए पूरी टीम ईसीएल, विशेषकर हमारे वित्त विभाग को हार्दिक बधाई देता हूँ और विश्वास करता हूँ कि हम भविष्य में भी राष्ट्र निर्माण में इसी प्रतिबद्धता के साथ योगदान देते रहेंगे।

हमारी उपलब्धियाँ जितनी महत्वपूर्ण हैं, उससे कहीं अधिक महत्वपूर्ण हमारी भविष्य की जिम्मेदारियाँ हैं। हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता बनी रहे। प्रत्येक कर्मचारी सुरक्षित कार्य करे और सुरक्षित अपने परिवार के पास लौटे–इससे बड़ा कोई लक्ष्य नहीं हो सकता।

इसके साथ ही हमें तकनीक, डिजिटलीकरण, नवाचार, पर्यावरण संरक्षण और संसाधनों के विवेकपूर्ण उपयोग को अपनी कार्य संस्कृति का अभिन्न अंग बनाना होगा। बदलते समय के साथ स्वयं को बदलना ही किसी भी संगठन की स्थायी सफलता का आधार होता है।

हमारे लिए हमारे कर्मचारी और संविदा कर्मी केवल कार्यबल नहीं, बल्कि ECL परिवार का अभिन्न हिस्सा हैं। इसी भावना के साथ 10 राष्ट्रीयकृत बैंकों के माध्यम से Corporate Salary Package Account की सुविधा उपलब्ध कराई गई है, जिसमें जीवन बीमा, दुर्घटना बीमा सहित अनेक वित्तीय सुरक्षा एवं बैंकिंग लाभ शामिल हैं। मैं आप सभी से आग्रह करता हूँ कि इन सुविधाओं को केवल एक बैंकिंग सुविधा न समझें, बल्कि अपने और अपने परिवार के सुरक्षित भविष्य के लिए मिले एक महत्वपूर्ण सुरक्षा कवच के रूप में देखें और इसका भरपूर लाभ उठाएँ।

माननीय प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भारत आत्मनिर्भरता और विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। इस राष्ट्रीय संकल्प में ईसीएल की भूमिका केवल कोयला उत्पादन तक सीमित नहीं है। हमें ऊर्जा सुरक्षा के साथ–साथ गुणवत्ता, पारदर्शिता, पर्यावरणीय उत्तरदायित्व और सामाजिक सरोकारों के क्षेत्र में भी उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करना है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि ईसीएल का प्रत्येक कर्मचारी इस जिम्मेदारी को पूरी निष्ठा के साथ निभाएगा। जिस प्रकार हमने चुनौतियों को अवसरों में बदलकर एक नया इतिहास रचा है, उसी प्रकार आने वाले वर्षों में हम उत्कृष्टता, नवाचार और सतत विकास के नए मानक स्थापित करेंगे।

आइए, इस पावन अवसर पर हम सभी एक नया संकल्प लें कि हम ईसीएल को केवल एक सफल कंपनी ही नहीं, बल्कि भारत की ऊर्जा सुरक्षा, औद्योगिक विकास और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में अग्रणी संगठन के रूप में स्थापित करने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

मैं, अपनी व अपने साथी निदेशकगण व मुख्य सतर्कता अधिकारी की ओर से हमारे कोयलांचल के लोक प्रतिनिधियों, श्रमिक संघ व अधिकारी संघ के पदाधिकारियों, राज्य प्रशासन, कोयला मंत्रालय, भारतीय रेल, वन एवं पर्यावरण मंत्रालय, कोल इण्डिया मुख्यालय, अपने कामगार भाइयों, अधिकारियों, स्थानीय निवासियों व ग्रामवासियों, पत्रकार बंधुओं और टीम ई.सी.एल. के उन सभी अंशधारकों, जिन्होंने ईसीएल की सफलता में अपना योगदान दिया है, का धन्यवाद करता हूँ, और एक बार पुनः सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ देता हूँ।

साथियों, मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है, कि आप सभी की कार्यकुशलता और निष्ठा से ईसीएल नित नए आयाम स्थापित करेगी।

**जय हिन्द, जय भारत !**

आपका,

15.08.2026

**(सतीश झा)**
अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक

जनसम्पर्क विभाग, ईस्टर्न कोलफील्ड्स लिमिटेड द्वारा प्रकाशित

ECL
Eastern Coalfields Limited

# 80वें स्वतंत्रता दिवस

के शुभ अवसर पर

## अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक

## श्री सतीश झा

का

# संदेश

প্রিয় ইসিএল পরিবার,

আপনাদের সকলকে ৮০তম স্বাধীনতা দিবসের আন্তরিক শুভেচ্ছা ও অভিনন্দন।

স্বাধীনতা দিবস শুধুমাত্র একটি রাষ্ট্রীয় উৎসব নয়; এটি আত্মচিন্তা, কৃতজ্ঞতা এবং সংকল্পের এক মহৎ উপলক্ষ্য। এই দিনটিতে আমরা গভীর শ্রদ্ধার সঙ্গে সেই অগণিত স্বাধীনতা সংগ্রামীকে স্মরণ করে প্রণাম জানাই, যাঁরা তাঁদের সাহস, ত্যাগ ও আত্মবলিদানের মাধ্যমে আমাদের স্বাধীন ভারতের অমূল্য উপহার দিয়েছেন। তাঁদের জীবন আমাদের এই প্রেরণা দেয় যে, রাষ্ট্র সর্বোপরি এবং যখন উদ্দেশ্য হয় রাষ্ট্রীয় স্বার্থ, তখন কোনও চ্যালেঞ্জই অতিক্রমের ঊর্ধ্বে নয়।

আজ, ভারত যখন ''বিকশিত ভারত–২০৪৭''-এর লক্ষ্যের দিকে দৃঢ়তার সঙ্গে এগিয়ে চলেছে, তখন রাষ্ট্র গঠনের এই যাত্রায় আমাদের সকলের দায়িত্বও বহুগুণ বৃদ্ধি পেয়েছে। একটি উন্নত ও বিকশিত রাষ্ট্রের স্বপ্ন তখনই বাস্তবায়িত হতে পারে, যখন তার জ্বালানি ও শক্তি ব্যবস্থা হবে সুদৃঢ়, নির্ভরযোগ্য এবং আত্মনির্ভর। তাই একথা বলা মোটেই অত্যুক্তি হবে না যে, উর্জা নিরাপত্তাই অর্থনৈতিক নিরাপত্তার ভিত্তিপ্রস্তর।

ভারতের উর্জা নিরাপত্তাকে সুদৃঢ় করার ক্ষেত্রে কয়লা শিল্পের ভূমিকা আজও অত্যন্ত গুরুত্বপূর্ণ। দেশে উৎপাদিত বিদ্যুতের একটি বৃহৎ অংশ এখনও কয়লার ওপর নির্ভরশীল । আমাদের শিল্প, রেলপথ, ইস্পাত কারখানা, সিমেন্ট শিল্প এবং কোটি কোটি মানুষের ঘরে পৌঁছে দেওয়া বিদ্যুতের অন্তরালে রয়েছে আমাদের কয়লা পরিবারের অক্লান্ত পরিশ্রম।

যখন দেশের অধিকাংশ মানুষ তাঁদের পরিবার-পরিজনের সঙ্গে উৎসব ও রাষ্ট্রীয় পর্ব উদযাপনে ব্যস্ত থাকেন, তখন আমাদের কয়লাখনি শ্রমিকেরা মাটির গভীরে প্রবেশ করে উর্জার চাহিদা পূরণে নিরলসভাবে নিয়োজিত থাকেন। প্রতিকূল ভৌগোলিক পরিস্থিতি, বিরূপ আবহাওয়া এবং নানাবিধ চ্যালেঞ্জের মধ্যেও তাঁদের শ্রম শুধুমাত্র উৎপাদনের মাধ্যম নয়; বরং এটি রাষ্ট্রের সেবায় নিবেদিত এক অবিরাম যজ্ঞ।

আমি ইস্টার্ন কোলফিল্ডস্ লিমিটেড (ইসিএল)-এর প্রত্যেক কর্মী; খনিতে কর্মরত শ্রমিক, প্রকৌশলী, আধিকারিক, সার্ভেয়ার, চিকিৎসক, নিরাপত্তাকর্মী অথবা যে কোনও বিভাগের সদস্যই হোন না কেন; সকল সদ্যসকে হৃদয় থেকে প্রণাম জানাই। আপনাদের প্রত্যেকের নিষ্ঠা, কর্মনিষ্ঠা ও কর্তব্যপরায়ণতাই ইসিএল-কে শুধুমাত্র একটি সফল কয়লা সংস্থা হিসেবে গড়ে তোলার পাশাপাশি দেশের উর্জা নিরাপত্তার এক নির্ভরযোগ্য ভিত্তি হিসেবে প্রতিষ্ঠিত করেছে।

গত আর্থিক বছর ২০২৫-২৬-এ সংস্থা নতুন কৃতিত্ব স্থাপন করে ৫২ মিলিয়ন টনেরও বেশি কয়লা উৎপাদন করেছে। একইসঙ্গে, লক্ষ্যমাত্রার ১২২%-এরও বেশি, অর্থাৎ ১৯৩ মিলিয়ন ঘনমিটারেরও বেশি অতিভার (ওভারবার্ডেন) অপসারণ করে বর্তমানে আর্থিক বছর ২০২৬-২৭-এর জন্য একটি শক্তিশালী ভিত্তিও স্থাপন করেছে।

সহকর্মীবৃন্দ, দেশের উর্জা নিরাপত্তা নিশ্চিত করার ক্ষেত্রে কয়লা উৎপাদন যেমন গুরুত্বপূর্ণ, তেমনই সময়মতো এবং নিরবচ্ছিন্ন কয়লা প্রেরণও সমান গুরুত্বপূর্ণ। এটি আমাদের জন্য অত্যন্ত আনন্দের বিষয় যে, চলতি আর্থিক বছরের প্রথম চার মাসে ইসিএল প্রায় ১৮.৬১ মিলিয়ন টন কয়লা প্রেরণ করে গত বছরের একই সময়ের তুলনায় ১৮ শতাংশের উল্লেখযোগ্য বৃদ্ধি অর্জন করেছে। রেল, সড়ক এবং এমজিআর (MGR) - তিনটি মাধ্যমেই কয়লা প্রেরণে উল্লেখযোগ্য বৃদ্ধির পাশাপাশি বিক্রয়-আয়েও ৩২ শতাংশ বৃদ্ধি নথিভুক্ত হয়েছে। গ্রাহকদের সুবিধা বৃদ্ধি এবং Ease of Doing Business-কে আরও উৎসাহিত করার লক্ষ্যে ই-অনুমোদন পোর্টাল এবং ই-ব্যাঙ্ক গ্যারান্টি-র মতো ডিজিটাল ব্যবস্থা কার্যকর করা হয়েছে। এর ফলে প্রক্রিয়াগুলি আরও স্বচ্ছ, দ্রুত এবং সম্পূর্ণরূপে ডিজিটাল হয়ে উঠেছে। এই সাফল্যগুলি আমাদের গ্রাহককেন্দ্রিক কর্মসংস্কৃতি, উন্নত লজিস্টিক ব্যবস্থাপনা এবং পরিচালনগত উৎকর্ষতার সুস্পষ্ট প্রতিফলন।

সহকর্মীবৃন্দ, চলতি আর্থিক বছরের শুরুতেই আমাদের বিভিন্ন এরিয়া যে নিষ্ঠা, প্রতিশ্রুতিবদ্ধতা ও কর্মদক্ষতার পরিচয় দিয়েছে, তা আগামী মাসগুলির জন্য একটি শক্তিশালী ভিত্তি তৈরি করেছে। সংস্থার পক্ষ থেকে কয়লা উৎপাদন, ওভারবার্ডেন অপসারণ এবং কয়লা প্রেরণের ক্ষেত্রে উৎসাহব্যঞ্জক কর্মদক্ষতা অব্যাহত রয়েছে। আমি (বাঁকোলা ক্ষেত্র-সহ সাতগ্রাম-শ্রীপুর ক্ষেত্র, সোদপুর ক্ষেত্র, মুগমা ক্ষেত্র, পান্ডবেশ্বর ক্ষেত্র এবং সোনপুর বাজারি ক্ষেত্র) আন্তরিকভাবে প্রশংসা করি যারা বছরের শুরুতেই সাফল্যের একটি শক্তিশালী ভিত্তি স্থাপন করেছে। আমার দৃঢ় বিশ্বাস, যদি এই একই গতি, শৃঙ্খলা ও দলগত চেতনা সমগ্র বছরজুড়ে বজায় থাকে, তাহলে টিম ইসিএল তার নির্ধারিত লক্ষ্যমাত্রাগুলি আরও দক্ষতার সঙ্গে অর্জন করতে সক্ষম হবে।

এই মঞ্চ থেকে আপনাদের সকলকে জানাতে পেরে আমি অত্যন্ত আনন্দিত যে, আপনাদের সকলের সহযোগিতা ও সম্মিলিত প্রচেষ্টায় ইসিএল এ বছর সাফল্যের আরও একটি নতুন অধ্যায় রচনা করতে চলেছে।

সহকর্মীবৃন্দ, প্রকৃতি ইসিএল-কে উচ্চমানের কয়লার সমৃদ্ধ ভাণ্ডারে সমৃদ্ধ করেছে। এটি আমাদের কাছে শুধুমাত্র একটি প্রাকৃতিক সম্পদ নয়; বরং কোটি কোটি গ্রাহকের আস্থা এবং দেশের উর্জা চাহিদা পূরণের এক বৃহৎ দায়িত্বও বটে।

আমি গর্বের সঙ্গে বলতে চাই যে, গত কয়েক বছরে ইসিএল শুধুমাত্র উৎপাদন বৃদ্ধির উপরই গুরুত্ব দেয়নি, পাশাপাশি কয়লার গুণমান এবং ঘোষিত গ্রেডের সঙ্গে সামঞ্জস্য (Grade Conformity) নিশ্চিত করার উপরও বিশেষ গুরুত্ব আরোপ করেছে। প্রত্যেক গ্রাহকের কাছে ঘোষিত মান সম্পন্ন কয়লা পৌঁছে দেওয়া আমাদের কাছে শুধুমাত্র একটি বাণিজ্যিক দায়িত্ব নয়; বরং এটি আমাদের বিশ্বাসযোগ্যতা ও দায়বদ্ধতার প্রতীক। গুণমানের প্রতি আমাদের অঙ্গীকার গ্রাহকদের আস্থাকে আরও সুদৃঢ় করেছে, যা ইসিএল-এর মর্যাদাকে নতুন উচ্চতায় উন্নীত করার পথে একটি গুরুত্বপূর্ণ ও দৃঢ় পদক্ষেপ হিসেবে বিবেচিত হতে পারে।।

আমরা বিশ্বাস করি, যে কোনও প্রতিষ্ঠানের সর্ববৃহৎ শক্তি তার কর্মচারী এবং সৌহার্দ্যপূর্ণ শিল্পসম্পর্ক। এই ভাবনাকে সামনে রেখে, ২০২৫,২৬ অর্থবর্ষে ইসিএল রেকর্ড সংখ্যক ৩,১০৮ জন কর্মীকে পদোন্নতি প্রদান করেছে। প্রথমবারের মতো ৩৮৭ জন উচ্চশিক্ষিত কর্মচারীকে তাঁদের বিশেষজ্ঞতা ও যোগ্যতার সঙ্গে সামঞ্জস্য রেখে বিভিন্ন বিভাগে নিয়োগ করা হয়েছে। পাশাপাশি, ৭৯ জন মাইনিং সারদার এবং ১৫৭ জন নিরাপত্তারক্ষীর অভ্যন্তরীণ নিয়োগের মাধ্যমে সংস্থার পরিচালনগত সক্ষমতা ও নিরাপত্তা ব্যবস্থা আরও সুদৃঢ় করা হয়েছে। মানবসম্পদের কার্যকর ব্যবস্থাপনা এবং কর্মীবান্ধব বিভিন্ন উদ্যোগ সংস্থার মধ্যে পারস্পরিক আস্থা, কর্মদক্ষতা এবং ইতিবাচক শিল্পসম্পর্ককে এক নতুন মাত্রায় শক্তিশালী করেছে।

ইসিএল-এর সফল রূপান্তরের এই যাত্রায় ব্যয় নিয়ন্ত্রণ এবং সম্পদের বিচক্ষণ ব্যবহার আমাদের কৌশলের একটি গুরুত্বপূর্ণ অংশ হয়ে উঠেছে। মানবসম্পদের যথাযথ পরিকল্পনা, উপলব্ধ প্রতিভার কার্যকর ব্যবহার এবং অপ্রয়োজনীয় ব্যয় হ্রাসের মাধ্যমে কর্মদক্ষতা বৃদ্ধির লক্ষ্যে আমরা একাধিক সুসংবদ্ধ পদক্ষেপ গ্রহণ করেছি। অভ্যন্তরীণ নির্বাচনের মাধ্যমে ১৫৭ জন কর্মচারীকে নিরাপত্তারক্ষী হিসেবে নতুন দায়িত্ব প্রদানের উদ্যোগের ফলে একদিকে যেমন আমাদের মানবসম্পদের সর্বোত্তম ব্যবহার নিশ্চিত হয়েছে, অন্যদিকে এর মাধ্যমে প্রায় ৯ কোটি টাকা সাশ্রয় হবে বলে প্রত্যাশা করা হচ্ছে। একইভাবে, চিকিৎসা পরিষেবাকে আরও সুদৃঢ় করার লক্ষ্যে গৃহীত বিভিন্ন উদ্যোগের ফলে রেফারেল সংক্রান্ত ক্ষেত্রে প্রায় ১৪.৫ শতাংশ হ্রাস ঘটেছে এবং চিকিৎসা ব্যয় ১০৬.৮৫ কোটি টাকা থেকে কমে ৭২.৯৬ কোটি টাকা হয়েছে। যানবাহনের প্রয়োজনীয়তার যৌক্তিকভাবে নির্ধারণ, উদ্বৃত্ত মানবসম্পদের কার্যকর ব্যবহার এবং সম্পদের দক্ষ ব্যবস্থাপনার মতো একাধিক পদক্ষেপের মাধ্যমেও উল্লেখযোগ্য সাশ্রয় নিশ্চিত হয়েছে। আমাদের লক্ষ্য শুধুমাত্র ব্যয় হ্রাস করা নয়; বরং প্রতিটি সম্পদের সর্বাধিক ও অর্থবহ ব্যবহার নিশ্চিত করে ইসিএল-কে আরও দক্ষ, প্রতিযোগিতামূলক এবং আর্থিকভাবে সুদৃঢ় করে তোলা।

এই আর্থিক বছরে নির্ধারিত লক্ষ্যমাত্রা অর্জনের জন্য আমরা সুপরিকল্পিত ও কৌশলগতভাবে কাজ করে চলেছি। সমস্ত এরিয়া ব্যয় হ্রাস (Cost Reduction) এবং উৎপাদিত কয়লার মূল্যমান বৃদ্ধির লক্ষ্যে নিরন্তর প্রচেষ্টা চালিয়ে যাচ্ছে। প্রথম ত্রৈমাসিকে সোদপুর এরিয়া-র দল এই দুই ক্ষেত্রেই বিশেষ সাফল্য প্রদর্শন করে সর্বাধিক ব্যয় হ্রাস এবং কয়লার মূল্য বৃদ্ধিতে উল্লেখযোগ্য সাফল্য অর্জন করেছে। অন্যদিকে, এই দুই ক্ষেত্রে যথাক্রমে কেন্দা ক্ষেত্র এবং কাজোড়া ক্ষেত্র দ্বিতীয় স্থান অর্জন করেছে। এই অসাধারণ কর্মদক্ষতার জন্য সোদপুর, কেন্দা এবং কাজোড়া ক্ষেত্র সমগ্র দলকে আমি আন্তরিক অভিনন্দন জানাই।

উর্জা দক্ষতা এবং প্রযুক্তিগত আধুনিকীকরণের ক্ষেত্রেও ইসিএল ধারাবাহিকভাবে নতুন সাফল্যের নজির স্থাপন করে চলেছে। সংস্থার ৩৫ মেগাওয়াট ক্ষমতাসম্পন্ন গ্রাউন্ড-মাউন্টেড সৌরবিদ্যুৎ প্রকল্প থেকে ইতিমধ্যেই বিদ্যুৎ উৎপাদন শুরু হয়েছে। পাশাপাশি, কোল ইন্ডিয়ার প্রথম ফ্লোটিং সোলার পাওয়ার প্ল্যান্ট-ও ইসিএল-এ স্থাপন করা হচ্ছে। 'মেক ইন ইন্ডিয়া' উদ্যোগের আওতায় আধুনিক কন্টিনিউয়াস মাইনার সংগ্রহের পাশাপাশি ভূগর্ভস্থ খনির জন্য ব্যাটারি-চালিত ম্যাটেরিয়াল ইউটিলিটি ভেহিকল (MUV) এবং ফাস্ট সেফটি ভেহিকল (FSV) অন্তর্ভুক্ত করার মাধ্যমে ইসিএল সবুজ জ্বালানি, দেশীয় প্রযুক্তি এবং আধুনিক খনন পদ্ধতির প্রতি তার অঙ্গীকারকে আরও সুদৃঢ় করেছে।

কান্তা ওয়েস্ট ব্লক-এ ভারতীয় ভূ-খনন পরিস্থিতির উপযোগী আন্ডারগ্রাউন্ড কোল গ্যাসিফিকেশন (Underground Coal Gasification - UCG) প্রযুক্তি স্থাপনের লক্ষ্যে আমাদের পাইলট প্রকল্পের ফেজ–II-এর কাজ সফলভাবে এগিয়ে চলেছে এবং প্রকল্পটি ২০২৭ সালে সম্পন্ন হবে বলে আশা করা হচ্ছে। এই উদ্যোগ কয়লার বিকল্প ও বৈজ্ঞানিক ব্যবহারের ক্ষেত্রে ইসিএল-এর প্রযুক্তিগত উদ্ভাবন এবং ভবিষ্যৎমুখী চিন্তাভাবনার সুস্পষ্ট প্রতিফলন হয়।

সহকর্মীবৃন্দ, প্রতিটি সংস্থার ইতিহাসে এমন কিছু মুহূর্ত আসে, যখন বিভিন্ন চ্যালেঞ্জ তার সক্ষমতার পরীক্ষা নেয়। ইসিএল-ও এমন বহু প্রতিকূল সময়ের সম্মুখীন হয়েছে। কিন্তু আমাদের সর্ববৃহৎ শক্তি হল, আমরা কখনও চ্যালেঞ্জের কাছে পরাজয় স্বীকার করিনি। আমরা সমস্যাকে সম্ভাবনায় রূপান্তরিত করার সাহস দেখিয়েছি এবং সম্মিলিত প্রচেষ্টার মাধ্যমে একটি নতুন কর্মসংস্কৃতি গড়ে তুলেছি।

আজ ইসিএল যে আত্মবিশ্বাসের সঙ্গে অগ্রসর হচ্ছে, তা কোনও আকস্মিক ঘটনার ফল নয়। এটি আপনাদের সকলের অক্লান্ত পরিশ্রম, শৃঙ্খলা, উদ্ভাবনী চিন্তাভাবনা এবং দলগত চেতনার ফল। ব্যয় নিয়ন্ত্রণ থেকে পরিচালনগত দক্ষতা, উৎপাদন বৃদ্ধি থেকে গুণমানের উন্নতি পর্যন্ত, নিরাপত্তা থেকে মানবসম্পদ উন্নয়ন পর্যন্ত; প্রতিটি ক্ষেত্রেই আমরা উল্লেখযোগ্য পরিবর্তনের পথে দৃঢ় পদক্ষেপ গ্রহণ করেছি। এই পরিবর্তন শুধুমাত্র পরিসংখ্যানে প্রতিফলিত সাফল্য নয়; বরং আমাদের চিন্তাধারা, কর্মপদ্ধতি এবং সাংগঠনিক সংস্কৃতিতে ইতিবাচক পরিবর্তনের এক সুস্পষ্ট প্রমাণ।

আমি বিশেষভাবে সন্তুষ্ট যে, ইসিএল আজ একটি সফল Turnaround-এর অনুপ্রেরণাদায়ক কাহিনিতে পরিণত হওয়ার পথে দৃঢ়ভাবে এগিয়ে চলেছে। এই সাফল্য কোনও একক ব্যক্তি বা কোনও একটি বিভাগের অর্জন নয়; বরং এটি সমগ্র 'টিম ইসিএল'-এর সম্মিলিত সাফল্য হিসেবে প্রতিষ্ঠিত হবে।

রাষ্ট্রের উর্জা নিরাপত্তা নিশ্চিত করার পাশাপাশি পরিবেশ সংরক্ষণের প্রতি নিজেদের দায়িত্ব পালন করাও ইসিএল-এর সর্বোচ্চ অগ্রাধিকারগুলির অন্যতম। এই উদ্দেশ্যে, ২০২৫,২৬ অর্থবর্ষে ইসিএল-এর 'মিশন গ্রিন'-এর আওতায় ৯১.৭১ হেক্টর জমিতে প্রায় ২.২২ লক্ষ চারা রোপণ করা হয়েছে, যা পূর্ববর্তী বছরের তুলনায় ১৭.৫ শতাংশ বেশি। ''মায়ের নামে একটি গাছ ২.০'' অভিযানের অধীনে ২৮,৭০০-এরও বেশি চারা রোপণ ও বিতরণ করা হয়েছে। এই উদ্যোগকে আরও এগিয়ে নিয়ে, ২১ জুলাই ২০২৬ তারিখে ২০২৬,২৭ অর্থবর্ষের জন্য নির্ধারিত বৃহৎ বৃক্ষরোপণ অভিযানের আওতায় ২৫.৭১ হেক্টর এলাকায় ৫৩,৩১০টি চারা রোপণ করে নির্ধারিত লক্ষ্যমাত্রা সফলভাবে পূরণ করা হয়েছে। পরিবেশ সংরক্ষণকে আরও সুদৃঢ় করার লক্ষ্যে রাজমহল প্রকল্পে মিয়াওয়াকি বন গড়ে তোলা হয়েছে। দুর্গম ওভারবার্ডেন ঢালে ড্রোন-ভিত্তিক সিড-বল

রোপণ কার্যক্রম শুরু করা হয়েছে। পাশাপাশি, সেন্ট্রাল সিল্ক বোর্ডের সহযোগিতায় খনন-প্রভাবিত জমিতে তুঁতভিত্তিক বনসৃজন ও জীবিকা সৃষ্টির একটি অভিনব উদ্যোগ গ্রহণ করা হয়েছে। এর সঙ্গে আধুনিক দূষণ নিয়ন্ত্রণ ব্যবস্থা স্থাপন, পরিবেশগত মানদণ্ডের কার্যকর পরিপালন এবং ISO 9001, ISO 14001 ও ISO 45001 সার্টিফিকেশন বজায় রাখার মাধ্যমে ইসিএল প্রমাণ করেছে যে দায়িত্বশীল ও টেকসই খননই ভবিষ্যতের পথ। আমাদের বিশ্বাস, ভারতের উর্জা চাহিদা পূরণ এবং পরিবেশ সংরক্ষণ; এই দুই লক্ষ্যই একইসঙ্গে অর্জন করা সম্ভব। ইসিএল এই ভারসাম্যপূর্ণ উন্নয়নের পথেই দৃঢ়তার সঙ্গে এগিয়ে চলেছে।

সহকর্মীবৃন্দ, দায়িত্বশীল খননের পাশাপাশি খনন-পরবর্তী জমির পুনর্বাসন এবং তার সর্বোত্তম ব্যবহার-এর উপরও আমরা বিশেষ গুরুত্ব দিচ্ছি। গোপীনাথপুর খনি (Gopinathpur Mine)-এর জন্য সম্পাদিত ত্রিপাক্ষিক চুক্তি (Tripartite Agreement) এই দিকের একটি গুরুত্বপূর্ণ উদ্যোগ। আমাদের লক্ষ্য হলো, মাইন ক্লোজার (Mine Closure) প্রক্রিয়াটি যেন বৈজ্ঞানিক ও সুপরিকল্পিত পদ্ধতিতে সম্পন্ন হয়, যাতে খনন-পরবর্তী জমি ও পরিবেশ সুরক্ষিত থাকে এবং একইসঙ্গে স্থানীয় জনগোষ্ঠীর স্বার্থের প্রতিও যথাযথ গুরুত্ব দেওয়া যায়।

সহকর্মীবৃন্দ, আমাদের সংস্থা ভূমি অধিগ্রহণ এবং পুনর্বাসন প্রক্রিয়ায় স্বচ্ছতা, দক্ষতা ও সুশাসন প্রতিষ্ঠার ক্ষেত্রেও আমাদের সংস্থা গুরুত্বপূর্ণ উদ্যোগ গ্রহণ করেছে। ন্যাশনাল ইনফরমেটিক্স সেন্টার (NIC)-এর সহযোগিতায় তৈরি ওয়েব-ভিত্তিক COALRR ব্যবস্থা সমগ্র ইসিএল-এ কার্যকর করা হয়েছে। এর ফলে ভূমি অধিগ্রহণ, পুনর্বাসন ও পুনঃস্থাপন-সংক্রান্ত প্রক্রিয়াগুলি আরও স্বচ্ছ, দ্রুত এবং ডিজিটাল হয়েছে। এর পাশাপাশি, প্রকল্পের কারণে প্রভাবিত পরিবারগুলির শিক্ষিত যুবকদের আত্মনির্ভর করে তোলার লক্ষ্যে এককালীন অর্থপ্রদানের (One-Time Lump-Sum Payment) অভিনব পুনর্বাসন নীতির সফল বাস্তবায়ন করা হয়েছে। এর ফলে তাঁরা উদ্যোক্তা কার্যক্রম, স্বনিযুক্তি এবং উচ্চশিক্ষার নতুন সুযোগ গ্রহণের মাধ্যমে নিজেদের ভবিষ্যৎ আরও সুদৃঢ় করার সুযোগ পাচ্ছেন।

সহকর্মীবৃন্দ, ইসিএল-এর উন্নয়নযাত্রার অর্থ শুধুমাত্র অধিক পরিমাণে কয়লা উৎপাদন করা নয়; বরং যে সমস্ত মানুষের মধ্যে এবং যাঁদের সঙ্গে আমরা কাজ করি, তাঁদের জীবনেও ইতিবাচক পরিবর্তন আনা । এই ভাবনা থেকেই ইসিএল সমাজের প্রতি তার দায়বদ্ধতার অংশ হিসেবে ঝাড়খণ্ডের গোড্ডায় ৩০০ শয্যাবিশিষ্ট একটি অত্যাধুনিক হাসপাতাল নির্মাণ করছে। এই হাসপাতালটি ২০২৭ সালে সম্পূর্ণ করে রাজ্য সরকারের হাতে তুলে দেওয়া হবে, যাতে ওই অঞ্চলের স্থানীয় জনগণ উন্নত ও সহজলভ্য স্বাস্থ্য পরিষেবার সুবিধা লাভ করতে পারেন। ইসিএল-এর উন্নয়নযাত্রা তখনই আমরা সার্থক বলে মনে করি, যখন তার সুফল আমাদের আশপাশের সম্প্রদায় এবং সাধারণ নাগরিকদের কাছে পৌঁছে যায়। আর এই লক্ষ্যেই আমরা নিরন্তর প্রচেষ্টা চালিয়ে যাচ্ছি।

রাষ্ট্র গঠনে ইসিএল-এর অবদান শুধুমাত্র জ্বালানি নিরাপত্তার মধ্যেই সীমাবদ্ধ নয়; রাজস্ব প্রদান এবং আইনানুগ পরিপালনের (Statutory Compliance)-এর মাধ্যমেও আমরা দেশের অগ্রগতিতে গুরুত্বপূর্ণ অংশীদার। আনন্দের সঙ্গে জানাচ্ছি যে, GST-এর ৯ম বর্ষপূর্তি উপলক্ষে CGST ও Central Excise, Bolpur Commissionerate-এর পক্ষ থেকে ইসিএল-কে উৎকৃষ্ট স্বেচ্ছায় GST অনুপালন এবং রাষ্ট্র গঠনে অবদানের জন্য সম্মানিত করা হয়েছে। ২০২৫-২৬ অর্থবর্ষে ইসিএল কেন্দ্র ও রাজ্য সরকারকে মোট ৫,৬১৯ কোটি টাকার আইনানুগ প্রদেয় অর্থ প্রদান করেছে, যার মধ্যে ১,৯৫১ কোটি টাকা GST অন্তর্ভুক্ত। GST কার্যকর হওয়ার পর থেকে আমাদের মোট GST অবদানের পরিমাণ প্রায় ১৭,৩৮২ কোটি টাকা। এই সাফল্য ইসিএল-এর স্বচ্ছতা ও দায়িত্বশীল কর্মসংস্কৃতির এক উজ্জ্বল প্রমাণ। এই উল্লেখযোগ্য সাফল্যের জন্য আমি সমগ্র টিম ইসিএল, বিশেষত আমাদের অর্থ বিভাগকে আন্তরিক অভিনন্দন জানাই এবং আমার দৃঢ় বিশ্বাস, ভবিষ্যতেও আমরা একই নিষ্ঠা ও অঙ্গীকারের সঙ্গে রাষ্ট্র গঠনে অবদান অব্যাহত রাখব।

আমাদের অর্জনগুলি যেমন গুরুত্বপূর্ণ, তার চেয়েও অনেক বেশি গুরুত্বপূর্ণ আমাদের ভবিষ্যৎতের দায়িত্ব। আমাদের নিশ্চিত করতে হবে যে নিরাপত্তা সর্বদা আমাদের সর্বোচ্চ অগ্রাধিকার হিসেবে বজায় থাকে। প্রত্যেক কর্মচারী নিরাপদে কাজ করবেন এবং নিরাপদে নিজের পরিবারের কাছে ফিরে যাবেন;এর চেয়ে বড় কোনও লক্ষ্য হতে পারে না।

এর পাশাপাশি, প্রযুক্তি, ডিজিটালাইজেশন, উদ্ভাবন, পরিবেশ সংরক্ষণ এবং সম্পদের বিচক্ষণ ব্যবহারকে আমাদের কর্মসংস্কৃতির অবিচ্ছেদ্য অঙ্গ করে তুলতে হবে। পরিবর্তনশীল সময়ের সঙ্গে নিজেদের পরিবর্তন করতে পারাই যে কোনও প্রতিষ্ঠানের দীর্ঘমেয়াদি সাফল্যের অন্যতম ভিত্তি।

আমাদের কাছে আমাদের কর্মী এবং চুক্তিভিত্তিক কর্মীরা শুধুমাত্র একটি কর্মীবাহিনীর অংশ নন; তাঁরা ইসিএল পরিবারের অবিচ্ছেদ্য সদস্য। এই ভাবনার সঙ্গে সামঞ্জস্য রেখে ১০টি রাষ্ট্রায়ত্তকৃত ব্যাংকের মাধ্যমে Corporate Salary Package Account-এর সুবিধা প্রদান করা হয়েছে। এর আওতায় জীবনবিমা, দুর্ঘটনা বিমা-সহ বিভিন্ন আর্থিক সুরক্ষা এবং ব্যাংকিং সুবিধা অন্তর্ভুক্ত রয়েছে। আমি আপনাদের সকলের কাছে আহ্বান জানাই, এই সুবিধাগুলিকে শুধুমাত্র একটি ব্যাংকিং পরিষেবা হিসেবে বিবেচনা না করে, নিজেদের এবং পরিবারের নিরাপদ ভবিষ্যতের জন্য প্রাপ্ত একটি গুরুত্বপূর্ণ সুরক্ষা-কবচ হিসেবে দেখুন এবং এর সর্বোচ্চ সদ্ব্যবহার করুন।

মাননীয় প্রধানমন্ত্রীর নেতৃত্বে ভারত আত্মনির্ভরতা অর্জন এবং একটি উন্নত রাষ্ট্রে পরিণত হওয়ার লক্ষ্যে দ্রুত এগিয়ে চলেছে। এই রাষ্ট্রীয় সংকল্পে ইসিএল-এর ভূমিকা শুধুমাত্র কয়লা উৎপাদনের মধ্যে সীমাবদ্ধ নয়। জ্বালানি নিরাপত্তার পাশাপাশি গুণমান, স্বচ্ছতা, পরিবেশগত দায়বদ্ধতা এবং সামাজিক দায়বদ্ধতার ক্ষেত্রেও আমাদের উৎকর্ষের দৃষ্টান্ত স্থাপন করতে হবে। আমার পূর্ণ বিশ্বাস, ইসিএল-এর প্রত্যেক কর্মচারীর দায়িত্ব, প্রবল নিষ্ঠা ও আন্তরিকতার সঙ্গে পালন করবেন। আমরা যেভাবে চ্যালেঞ্জকে সম্ভাবনায় রূপান্তরিত করে নতুন ইতিহাস রচনা করেছি, একইভাবে আগামী বছরগুলিতেও আমরা উৎকর্ষ, উদ্ভাবন এবং স্থায়ী উন্নয়নের ক্ষেত্রে নতুন মানদণ্ড স্থাপন করব।

আসুন, এই পবিত্র ও গৌরবময় উপলক্ষে আমরা সকলে একটি নতুন সংকল্প গ্রহণ করি;ইসিএল-কে শুধুমাত্র একটি সফল সংস্থা হিসেবে নয়, বরং ভারতের উর্জা নিরাপত্তা, শিল্পোন্নয়ন এবং আত্মনির্ভর ভারত গঠনের ক্ষেত্রে একটি অগ্রণী প্রতিষ্ঠান হিসেবে প্রতিষ্ঠিত করার লক্ষ্যে আমরা নিরন্তর প্রচেষ্টা চালিয়ে যাব।

আমি, আমার সহ-পরিচালকবৃন্দ এবং মুখ্য সতর্কতা আধিকারিকের পক্ষ থেকে আমাদের কয়লাঞ্চলের সম্মানিত জনপ্রতিনিধিবৃন্দ, শ্রমিক ইউনিয়ন ও অফিসার অ্যাসোসিয়েশনের পদাধিকারীবৃন্দ, রাজ্য প্রশাসন, কয়লা মন্ত্রক, ভারতীয় রেল, পরিবেশ, বন ও জলবায়ু পরিবর্তন মন্ত্রক, কোল ইন্ডিয়া সদর দপ্তর, আমাদের শ্রমিক ভাই-বোনেরা, আধিকারিকবৃন্দ, স্থানীয় বাসিন্দা ও গ্রামবাসীবৃন্দ, সাংবাদিক বন্ধুগণ এবং টিম ইসিএল-এর সেই সকল অংশীদার ও শুভানুধ্যায়ীদের, যাঁরা ইসিএল-এর সাফল্যে তাঁদের মূল্যবান অবদান রেখেছেন;সকলকে আন্তরিক ধন্যবাদ জানাই। একইসঙ্গে, পুনরায় আপনাদের সকলকে স্বাধীনতা দিবসের আন্তরিক শুভেচ্ছা ও অভিনন্দন জানাই।

সহকর্মীবৃন্দ, আমার দৃঢ় বিশ্বাস, আপনাদের সকলের কর্মদক্ষতা, নিষ্ঠা ও আন্তরিক প্রচেষ্টার মাধ্যমে ইসিএল ভবিষ্যতেও প্রতিনিয়ত সাফল্যের নতুন নতুন মাইলফলক স্থাপন করবে।

**জয় হিন্দ, জয় ভারত!**

আপনাদের,

১৫.০৮.২০২৬

(সতীশ ঝা)
অধ্যক্ষ-তথা- পরিচালক অধিকর্তা

জনসংযোগ বিভাগ, ইস্টার্ন কোলফিল্ডস্ লিমিটেডের দ্বারা প্রকাশিত

ECL
Eastern Coalfields Limited

# ৮০তম
# স্বাধীনতা দিবস
## উপলক্ষ্যে

## শ্রী সতীশ ঝা
### অধ্যক্ষ-তথা-পরিচালন অধিকর্তার

# বার্তা

www.easterncoalfields.in